www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 322 || लखनऊ
बुधवार
25 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
https://epaper.tamsasanket.com
समूह संपादक- डॉ. ओ... मिश्रा

मौसम
सूर्योदयः 06:34
सूर्यास्तः 06:05
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 14°00

» पेज 03

विशेष समाचार: तमिलनाडु चुनाव को लेकर, कांग्रेस... » पेज 02 | पिता को मारकर शव के टुकड़े नीले... » पेज 04 | अमिताभ बच्चन ने शुरू की 'कल्कि 2'...

'केरलम' के नाम से जाना जाएगा केरल

मोदी कैबिनेट ने नाम बदलने के फैसले पर लगाई मुहर

कैबिनेट मीटिंग के 8 बड़े फैसले...

- केरल का नाम बदलकर केरलम होगा।
- गोंदिया-जबलपुर की रेल लाइन डबलिंग के लिए 5236 करोड़ रुपए।
- पुनारख-किऊल की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 2668 करोड़ रुपए।
- गम्हरिया-चांडिल की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 1168 करोड़ रुपए।
- श्रीनगर में नया इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के लिए 1667 करोड़ रुपए।
- अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी के एक्सटेंशन के लिए 1067 करोड़ रुपए।
- कच्चा जूट की एमएसपी के लिए 430 करोड़ रुपए। ट्विटर पॉवर सेक्टर में रिफॉर्म्स की मंजूरी।

प्रस्ताव केरल विधानसभा को भेजा जाएगा

कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है। हिंदी और दूसरी भाषाओं में इसे केरल कहा जाता है। नाम बदलने का उद्देश्य केरल राज्य की पहचान, भाषा, संस्कृति और विकास को बढ़ावा देना है।

राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया

- *भारत के संविधान में किसी भी राज्य का नाम बदलने का जिक्र आर्टिकल 3 व 4 में किया गया है।*
- *किसी राज्य के नाम बदलने की प्रक्रिया की शुरुआत संसद या विधानसभा से होती है।*
- *नाम बदलने के लिए राज्य सरकार की तरफ से विधानसभा में बहुमत से प्रस्ताव पारित करके केंद्र को भेजना होता है।*
- *केंद्र के निर्देश पर गृह-रेल मंत्रालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो, डाक विभाग, भारतीय सर्वेक्षण और भारत के रजिस्ट्रार जनरल जैसी कई एजेंसियां एनओसी देती हैं।*
- *केंद्र सरकार या तो इनकार कर देती है या दोनों सदनों में इससे संबंधित बिल ड्राफ्ट कर पेश करती है। बिल पास होने के बाद राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है।*
- *राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद राज्य के नाम बदलने के लिए अधिसूचना जारी होती है।*

13 फरवरी को पीएमओ सेवा तीर्थ में शिफ्ट हुआ

कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को PMO के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद PMO को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में PMO है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में NSCS और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है।

12236 करोड़ रुपये के 8 बड़े फैसलों पर मुहर लगी है

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2B का एक्सटेंशन होगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया, GST में सुधार हुआ है, लोगो में विश्वास बढ़ा है. आने वाले समय में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा. उन्होंने बताया कि आज के फैसलों को आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करेगा. आधुनिक तकनीक से नई ऊंचाई तक कार्य पहुंचेगा. सुधारों को गति भी देगा. सही नीति नेतृत्व से देश को सशक्त बनाने में काम करेगा. 2047 तक देश को विकसित बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे.

श्रीनगर में बनेगा नया इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल

श्रीनगर में 1,067 करोड़ की लागत के नये इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल का प्रस्ताव भी पास हुआ है. अहमदाबाद (गुजरात) मेट्रो फेज 2B के विस्तार को हरी झंडी दिखाई गई है, इसके लिए 1,067 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं. कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) तय हुआ है, इसके लिए 430 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसके अलावा पावर सेक्टर में सुधार का नीतिगत फैसला लिया गया है. कुल 12,236 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में हुए फैसलों के बारे बताया कि सेवा तीर्थ में पहली बैठक हुई है. कहा, गुलामी से पहले देश में मानवीय मूल्य और भव्यता थी, उसी भाव के साथ काम करेंगे. सेवा तीर्थ सत्ता नहीं बल्कि देश के हर व्यक्ति को सशक्त करेगा.

पहले 2 राज्यों का नाम बदला था

- **उत्तरांचल बना उत्तराखंडः** 2007 में केंद्र सरकार ने उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड करने के लिए एक बिल संसद में पारित किया। इस पर तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हस्ताक्षर होते ही राज्य का नाम बदल गया।
- **उड़ीसा बना ओडिशाः** 2010 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उड़ीसा को ओडिशा नाम में बदले जाने के बिल को मंजूरी दी थी।

स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट SG-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी। कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने प्लेन वापस दिल्ली की ओर मोड़ लिया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे। घटना पर एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट की सेफ लैंडिंग हुई है। कॉकपिट में किसी तरह की आग का अलर्ट नहीं मिला था। सभी यात्री सुरक्षित हैं। लंदन से हैदराबाद जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट को खराब मौसम के कारण मंगलवार सुबह नागपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है। एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि यह फ्लाइट लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से रवाना हुई थी और सुबह करीब 5.30 बजे नागपुर में लैंड हुई।

एआई समिट हंगामा : उदय भानु 4 दिन हिरासत में

पुलिस बोली- आईवाईसी प्रेसिडेंट ही मास्टरमाइंड

- काली जैकेट में उदय भानु चिब, उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 फरवरी की सुबह पूछताछ के लिए बुलाया था, उनसे करीब 20 घंटे पूछताछ की गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। AI इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी। इधर AI समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई।

» (शेष पेज 04 पर)

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

हर ग्रुप में एक लीडर समेत 11 सांसद, फ्रांस में थरूर, जापान में अखिलेश यादव नेतृत्व करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (PFG) का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद PM मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए PFG बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है। 64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद हैं। हर ग्रुप में एक

लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) और तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दूबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, TMC से अभिषेक बनर्जी और AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, PFG के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रखने के लिए 17 मई 2025 को 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की थी। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत थे। NDA के 31 और 20 दूसरे दलों के नेता थे, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी थे। ये डेलिगेशन दुनिया के 33 देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सदस्य देशों में गया और वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखा।

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

आसाराम ने साधकों से घर-घर जाकर की मुलाकात

वलसाड। दुष्कर्म के केस में आजीवन उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम मंगलवार को गुजरात के वलसाड पहुंचे। यहां वे अपने साधकों से घर-घर जाकर मुलाकत करने नजर आए। उनके समर्थकों ने मीडिया को इस कार्यक्रम को कवर करने से रोक दिया। कुछ लोगों ने मीडियाकर्मी का मोबाइल फोन छीनने की भी कोशिश की। समर्थकों ने मीडिया को कवरेज करने से क्यों रोका, इसका सही कारण पता नहीं चल पाया है।

आरक्षण 200 साल भी देना पड़े तो सही : भागवत

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज के एक हिस्से ने करीब दो हजार साल तक छुआछूत और भेदभाव सहा, लेकिन फिर भी उसने देश के साथ कभी विश्वासघात नहीं किया। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों को बराबरी का हक दिलाने के लिए अगर दो सौ साल तक भी आरक्षण देना पड़े, तो समाज को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अगर अपने ही भाइयों को आगे बढ़ाने के लिए हमें कुछ नुकसान भी सहना पड़े, तो भी हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। RSS प्रमुख सोमवार को उत्तराखंड के देहरादून में हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित 'प्रमुखजन गोष्ठी' में पूर्व सैनिकों और अधिकारियों के साथ संवाद कर रहे थे।

बंद कमरे में नाना ने कपड़े बदलती नातिन को पकड़ा

मोगा। मोगा में 60 साल के नाना ने 14 साल की नातिन को कमरे में कपड़े बदलते हुए पकड़ लिया। नाना पहले से ही अंदर छुपा हुआ था। उसने नातिन से जबरदस्ती करने की कोशिश की। लड़की की चिल्लाने की आवाज सुनकर मां दौड़ी आई तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। कमरे के भीतर नातिन के विरोध करने पर नाना ने दातर से उसे बुरी तरह से काट दिया। इसके बाद मां ने आसपास के लोगों को बुलाया।

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन में मदद

सुप्रीम कोर्ट बोला- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए

परमिशन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट SIR प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल SIR लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है। इससे पहले 20 फरवरी को, पश्चिम बंगाल सरकार और EC के बीच चल रही खींचतान से निराश होकर कोर्ट ने SIR प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं।

यूपी को 24 घंटे में मिला एक लाख करोड़

सिंगापुर में योगी बोले- प्रदेश में अब 360 डिग्री का बदलाव

निवेश

तमसा संकेत, एजेंसी

सिंगापुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन्वेस्टर रोड शो के दौरान कहा- यूपी को 24 घंटे में 1 लाख करोड़ का निवेश मिला। जबकि 60 हजार करोड़ रुपए के एमओयू (MoU) साइन किए गए। सीएम ने इसे प्रदेश की बदलती छवि और निवेश के बढ़ते विश्वास का परिणाम बताया। सीएम योगी ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को लेकर निवेशकों में जो धारणा थी, अब उसमें 360 डिग्री का बदलाव आया है। आज यूपी में आने वाला हर निवेश सुरक्षित है और तेजी से बढ़ती संभावनाओं के साथ जुड़ा हुआ है। मैंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री

और ऊर्जा मंत्री से बात की। वर्ल्ड लेबल की बड़ी फिनटेक और इन्वेस्टमेंट कंपनियों जैसे टेमासेक, GIC, UBS, सेट्स, ब्लैकस्टोन समेत कई कंपनियों के CEO से मुलाकात की। इन बैठकों में इंडस्ट्री लीडर्स ने प्रदेश में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। सिंगापुर से सीएम योगी आज जापान दौरे पर रवाना होंगे। सीएम ने कहा- सिंगापुर में हुए ये सभी समझौते उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में "मील का पत्थर" साबित होंगे। सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी ने निवेश और विकास को लेकर बड़ा रोडमैप पेश किया।

» (शेष पेज 04 पर)

जेवर एयरपोर्ट को बनाएंगे एमआरओ हब

सीएम ने सिंगापुर के एविएशन मॉडल का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर के एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (MRO) के लिए सिंगापुर एक बड़ा केंद्र है। उन्होंने कहा कि ऐसी ही सुविधा भारत में विकसित करने की योजना है और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को MRO हब के रूप में विकसित किया जाएगा। सीएम योगी ने सिंगापुर के ITE (इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) सेंटर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वहां का स्किलिंग मॉडल विश्वस्तरीय है। इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी आधुनिक स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

भारत बन रहा निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन'

पिछले 10-11 वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तेजी से विकास किया है। जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। भारत आज वैश्विक निवेश के लिए "ड्रीम डेस्टिनेशन" बन चुका है और उत्तर प्रदेश इस विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। उनकी सरकार ने प्रदेश में निवेश के लिए सुरक्षा, स्किल और स्केल का मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया है। दावा किया कि यूपी में निवेश न केवल सुरक्षित है।

विवाद : पीएम ने अमेरिका से देश बेचने की डील की, भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल

मोदी पर एपस्टीन-अडाणी के केस का दबाव : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की। उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। इस वजह से उन्होंने हिंदुस्तान और किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया। राहुल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बोल रहे थे। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में किसान चौपाल बुलाई थी। इस दौरान राहुल ने कहा, हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। मैं चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहता था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी, सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश

भोपाल में कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में किसान चौपाल बुलाई थी। इसमें राहुल-खड़गे शामिल हुए।

को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे। मोदीजी कांग्रेस शासन में पैदा हुए, उन्हें अपना नाम बदल लेना चाहिए। तो भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री और स्थानीय उद्योग कमजोर हो जाएंगे।

राहुल गांधी के भाषण की 5 बड़ी बातें

- » मोदी ने बिना कैबिनेट से पूछे अमेरिका से डील की- प्रधानमंत्री ने लोकसभा से निकलते ही ट्रंप को फोन किया और बिना कैबिनेट से सलाह लिए डील के लिए तैयार होने की बात कह दी।
- » किसानों और देश के हित से समझौता किया- सरकार ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में सोया, कपास और भुट्टा बेचने की छूट देने की तैयारी कर ली है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान होगा।
- » अमेरिका से ट्रेड डील दबाव में की गई - अमेरिका से ट्रेड डील दबाव और धमकी के कारण किया गया। एपस्टीन फाइल और अडाणी से जुड़े मामलों की वजह से सरकार झुकी।
- » भारत को कुछ नहीं मिला, उल्टा नुकसान होगा - इस डील से भारत को कोई फायदा नहीं हुआ। भारत को ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा और हर साल अमेरिका से भारी मात्रा में सामान खरीदना पड़ेगा।
- » देश की इंडस्ट्री और टेक्सटाइल सेक्टर पर खतरा - अगर अमेरिका से कपास और अन्य सामान सस्ते में आएंगे, तो भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री और स्थानीय उद्योग कमजोर हो जाएंगे।

ट्रंप ने खुद कहा सिंदूर ऑपरेशन को मैंने रोका। पीएम मोदी गिड़गिड़ाते हुए ट्रंप के पैरों पर गिर गए। मोदी ने ट्रंप से कहा मैं ऑपरेशन रोकता हूं। ऑपरेशन रोककर आपने बहुत बड़ी गलती की।

मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष

"राहुल ने कहा- मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया।

समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोग सुरक्षित

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

श्री विजयापुरम। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं।

- हेलिकॉप्टर ने पोर्ट ब्लेयर से सुबह करीब 8:45 बजे उड़ान भरी थी।
- पवन हंस का हेलिकॉप्टर मायाबंदर के पास समुद्र में क्रैश।

सम्पादकीय

लगातार कठिन होता संसद का चलना

भारत की राजनीति आज ऐसी अवस्था में पहुंच गई है, जिसकी कल्पना नहीं की जाती थी। यह भारत के संसदीय इतिहास की अत्यंत गंभीर स्थिति है, जब लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया, तो उसके समानांतर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध सब्सटेंसिव मोशन। राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सब्सटेंसिव मोशन लाने की मांग की है। भाजपा ने पहले राहुल गांधी के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की बात की थी, किंतु अब सब्सटेंसिव मोशन लाने की पहल की है। सब्सटेंसिव मोशन विशेषाधिकार हनन से ज्यादा गंभीर होता है। सब्सटेंसिव मोशन स्वतंत्र प्रस्ताव होता है, जिसमें किसी सांसद के विरुद्ध स्पष्ट निर्णय सामने आता है। इस प्रस्ताव पर बहस और मतदान होता है तथा पारित होने पर सदन का आधिकारिक रुख और मत प्रकट होता है। यानी संबंधित सांसद का आचरण और चरित्र संसद के अनुकूल है या नहीं, उन्हें सांसद होना चाहिए या नहीं, उन्हें भविष्य में चुनाव लड़ने देना चाहिए या नहीं आदि। इसके आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है और सदन की सदस्यता भी जा सकती है। चुनाव आयोग को उन्हें चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की अनुशंसा भी की जा सकती है। जो भी हो, अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस मिलने के बाद से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में आना बंद कर दिया। अविश्वास प्रस्ताव के बाद बहस और परिणाम तक लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं कर सकते, लिहाजा उन्होंने यह निर्णय लिया है। यही बात किसी सांसद या विपक्ष के नेता पर लागू नहीं होती। विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव या सब्सटेंसिव मोशन स्वीकृत होने के बावजूद संबंधित सदस्य हिस्सा ले सकते हैं। उन्हें अपना पक्ष रखने का समय दिया जा सकता है। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर नौ मार्च को बहस होने की संभावना है। उसी दौरान यह पता चलेगा कि राहुल गांधी के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन स्वीकृत होता है या नहीं? चूंकि लोकसभा में भाजपा नेतृत्व वाले राजग को बहुमत है इसलिए ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर जाएगा। यह बात सब्सटेंसिव मोशन पर लागू नहीं होती। बहुमत के आधार पर राजग राहुल गांधी के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव पारित कर सकता है। हालांकि कांग्रेस में उनके समर्थकों में इससे कोई परेशानी नहीं दिखाई देती। उलटे वे यह कहते हुए प्रफुल्ल हैं कि संसद में एजेंडा तो राहुल गांधी ही सेट कर रहे हैं और अब सब्सटेंसिव मोशन के बहाने बहस भी उन्हीं के इर्द-गिर्द रहेगी। इससे सहज से अनुमान लगाया जा सकता है कि राहुल गांधी और उनके इर्द-गिर्द के रणनीतिकार किस दिशा में जा रहे हैं। अगर उनकी नजर में यही सही अर्थों में राष्ट्रीय एजेंडा निर्धारित करना है तो ऐसी कांग्रेस का भगवान ही मालिक है। राहुल गांधी अपने राष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं।

लगता है कि कांग्रेस के नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई हो, ताकि लोगों में उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो और वे इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करें, लेकिन कांग्रेस के लोग जिस तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अभियान चलाते रहे हैं उसका क्या? उनकी बेटी के सिविल सर्विस पास होने तक पर प्रश्न उठाए गए थे? कांग्रेस की महिला सांसदों द्वारा उनको लिखा गया पत्र तो और शर्मनाक है। कांग्रेस के सांसद लोकसभा अध्यक्ष के लिए ऐसी कठिन स्थिति पैदा करने की कोशिश करते हैं कि उन्हें फैसला लेने में ही समस्या हो। ओम बिरला यहां व्यक्ति नहीं लोकसभा अध्यक्ष जैसे गरिमापूर्ण पद पर हैं। उनसे व्यक्तिगत मतभेद हो सकता है, उनसे नापसंदगी भी होगी, पर पद का सम्मान करने और विश्वास करने का प्राथमिक दायित्व भी नेता और संसद न निभाएं, तो यह शर्मनाक है। अगर राहुल गांधी के समर्थकों को लगता है कि संसद में चर्चा और बहस का एजेंडा सेट करना ही बड़ी राजनीतिक उपलब्धि है, तो कुछ दिन पहले एसआइआर एवं चुनाव आयोग के संदर्भ में भी उन्होंने ऐसी ही स्थिति पैदा की थी। उन्होंने अपनी ओर से पूरी तैयारी के साथ एसआइआर और चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया, बिहार में वोटर अधिकार यात्रा की, लेकिन बिहार चुनाव परिणाम में उन्हें मुंह की खानी पड़ी। महाराष्ट्र चुनाव में अदाणी मुद्दा उनके लिए सर्वोपरि था, लेकिन वहां भी करारी हार हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस के सांसदों का निलंबन तब किया, जब वे वेल में जाकर लगातार अध्यक्ष की ओर कागज फेंक रहे थे, कोई आदेश या नियमन नहीं मान रहे थे। सदन संचालन के नियम और परंपरा हैं। उन्हें रौंदने पर उतारू लोगों के विरुद्ध अध्यक्ष को फैसला करना ही पड़ेगा। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस और आक्रामक हो गई है। वह नहीं चाहती कि एक दिन भी संसद में सामान्य स्थिति रहे और सदन सुचारु रूप से चले। राहुल ने राष्ट्रपति अभिभाषण से संबंधित मुद्दे पर किसी सत्र में भाषण नहीं दिया। वह मनगढ़ंत विषय लेकर आते हैं और उसे सदन में रखते हैं तथा अध्यक्ष के रोकने पर उन्हें आरोपित करते हैं। इस तरह के व्यवहार में कोई लोकतांत्रिक रास्ता निकल नहीं सकता।

> **अब विवाद सिर्फ सीटों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'गठबंधन सरकार' को लेकर भी है। हाल ही में एक निजी कार्यक्रम में एमके स्टालिन ने स्पष्ट कर दिया था कि सरकार में सत्ता की साझेदारी की कोई व्यवस्था नहीं होगी।**

तमिलनाडु चुनाव को लेकर, कांग्रेस की 'जिद' या डीएमके की 'अकड़'?

जैसा कि हम जानते है इसी साल तमिलनाडु में विधान सभा चुनाव होने हैं। एक ओर डीएमके और कांग्रेस समेत अन्य दल का अलायंस है तो दूसरी ओर AIDMK, भारतीय जनता पार्टी और अन्य पार्टियों का गठबंधन है। हालांकि, चुनाव से पहले ही सत्तारूढ़ डीएमके और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर माथापच्ची देखने को मिल रही है। मार्च 2024 में डीएमके अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ बैठक के दौरान कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल (बीच में)। दोनों नेताओं ने 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा करने के लिए 22 फरवरी को फिर से मुलाकात की, लेकिन किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच स्पष्ट और स्थापित मित्रता के बावजूद, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पार्टियां सीट बंटवारे की बातचीत में कोई प्रगति नहीं कर पाई हैं। एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि डीएमके कांग्रेस के लिए अतिरिक्त सीटों पर विचार करने से इनकार करने पर अडिग है। दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने के कांग्रेस के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा डीएमके गठबंधन की 2026 के चुनाव में जीत होने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग के बाद, पार्टी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात का अनुरोध किया। वेणुगोपाल और छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने 22 फरवरी को स्टालिन से बातचीत की। बातचीत सौहार्दपूर्ण रही, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। स्टालिन को डीएमके की उप महासचिव और हाल ही में दिल्ली में संपर्क सूत्र रहीं कनिमोझी करुणानिधि का सहयोग प्राप्त था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए। राजा भी बातचीत में शामिल थे सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने अतिरिक्त सीटों की मांग की और स्टालिन ने अपनी मजबूरियों के बारे में बताया। डीएमके नेताओं ने मांग को सिरे से खारिज करने के बजाय यह बताया कि गठबंधन में कुछ और पार्टियां शामिल हो गई हैं। चुनाव की प्रकृति को देखते हुए, जिसमें डीएमके को जीत हासिल करने और 1967 में सत्ता में आने के बाद दूसरी बार सत्ता-विरोधी लहर को मात देने की उम्मीद है, पार्टी को सभी पक्षों की राय को ध्यान में रखना पड़ा। एक सूत्र ने कहा, ₹बातचीत अप्रिय नहीं रही।₹ बताया जा रहा है कि सत्ता-साझेदारी का मुद्दा बातचीत में नहीं उठा; सीटों में वृद्धि ही मुख्य मुद्दा था। कांग्रेस कम से कम 30 सीटें चाहती है। एक कांग्रेस नेता ने कहा, "हमने 2021 में जितनी सीटों पर चुनाव लड़ा था, उससे अधिक सीटों की मांग की है क्योंकि हमारा स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा था।" डीएमके नेता ने कहा, "हमारे नेता [स्टालिन] ने उन्हें एक संख्या बताई है। वे कांग्रेस की मांग एक विस्तृत आंतरिक समीक्षा के आधार पर की है। इस पर चर्चा करेंगे और फिर हमसे संपर्क करेंगे।" वेणुगोपाल को कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर द्वारा सत्ता में हिस्सेदारी की बार-बार मांग करने के पीछे के व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। द्रमुक को उनसे निपटने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वेणुगोपाल को द्रमुक और कांग्रेस को अच्छे संबंध बनाए रखने की जरूरत पर सलाह दी है। खड़गे का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उन्हें कर्नाटक से पार्टी द्वारा फिर से नामित किए जाने की उम्मीद है। उनका नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी खतरे में नहीं है, बशर्ते कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में कम से कम चार सीटें जीतने में सक्षम हो। खड़गे को विपक्ष का नेता बने रहने के लिए कांग्रेस को कम से कम 25 सदस्यों (सदन की संख्या का 10 प्रतिशत) की आवश्यकता है। तेलंगाना और कर्नाटक में अपनी ताकत के कारण कांग्रेस 25 का आंकड़ा पार कर सकती है। (कांग्रेस के 27 में से छह सांसद जल्द ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पार्टी ने इससे पहले द्रमुक से सीट का अनुरोध किया था। कांग्रेस और द्रमुक के बीच मतभेद तब खुल गए जब कांग्रेस ने दावा किया कि द्रमुक ने 2019 और 2021 में राज्यसभा सीट का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। पार्टी इस बात से भी नाराज थी कि द्रमुक ने पिछले साल खाली हुई सीट के लिए खड़गे के अनुरोध को ठुकरा दिया था और इसके बजाय इसे मक्कल निधि मय्यम के नेता कमल हासन को आवंटित कर दिया था। 22 फरवरी की बैठक के लहजे और कार्यकाल को देखते हुए, ऐसा लगता है कि द्रमुक छोटी जाति या प्रभाव समूहों को जीतने के प्रयास में राजनीतिक दलों के सभी वर्गों को समायोजित करने के अपने 2001 के परीक्षण और असफल मॉडल पर लौट रही है। कांग्रेस का मानना है कि यह एक परखी हुई शक्ति है और द्रमुक के लिए महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ती है। अगर द्रमुक कांग्रेस की दो मांगों में से एक – अधिक सीट आवंटन और सत्ता में हिस्सेदारी – को नहीं मानता है तो पार्टी को हार के रूप में देखा जाएगा यह उन पांच राज्यों में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चर्चा का विषय बन जाएगा, जहां 2026 में चुनाव होने हैं। संक्षेप में, कांग्रेस पीछे हटने में सक्षम होगी, लेकिन डीएमके से की गई सभी मांगों को पूरी तरह से छोड़ नहीं पाएगी। द्रमुक नेताओं को चिंता है कि कांग्रेस के साथ मतभेद जिलों में प्रकट होने लगेंगे। एक जिला सचिव, जो स्टालिन कैबिनेट में मंत्री भी हैं, ने कहाः मुझे अपने जिले में पहले से ही समस्याएं दिखाई दे रही हैं। जब तक इस मुद्दे को जल्द ही सुलझाया नहीं जाता है, तब तक यह कई स्तरों पर जमीनी स्तर पर समन्वय को प्रभावित करेगा। 23 फरवरी को, एक समाचार टेलीविजन चैनल के साथ बातचीत के दौरान, स्टालिन ने कहा कि लड़ाई कुछ सीटों या सत्ता की लूट के बारे में नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह फासीवाद के खिलाफ लड़ाई है। मैं तमिलनाडु के लोगों पर विश्वास करता हूं। दरअसल, 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से 133 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि 40 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। इन हारों में अधिकांश सीटों पर एआईएडीएमके और भाजपा के खिलाफ गई थीं।

अशोक भाटिया

इसी संदर्भ में...

ललित गर्ग

अयोध्या अब धार्मिक नगरी ही नहीं, अर्थव्यवस्था का भी बड़ा केंद्र है

अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर की नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को रखी थी और 22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य उद्घाटन भी हो गया था। इस ऐतिहासिक घटना से भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनर्स्थापना तो हुई ही, साथ ही साथ अयोध्या केवल एक धार्मिक नगरी से आगे बढ़कर अर्थव्यवस्था के एक बड़े केंद्र के रूप में भी उभरकर सामने आने लगी है। केंद्र और यूपी सरकार की कोशिशों से अयोध्या विकास की पटरी पर सरपट दौड़ रही है। भारत के मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं रहे बल्कि उन्होंने सदियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई है। तिरुपति, वैष्णो देवी और उज्जैन के महाकाल जैसे तीर्थस्थल इसके उदाहरण हैं। अब अयोध्या भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक विकास और सांस्कृतिक विरासत के संगम का नया मॉडल बनती जा रही है। भारत की टेंपल इकोनॉमी को लेकर जानकारों का कहना है कि टेंपल इकोनॉमी का मतलब उन सभी आर्थिक गतिविधियों से है जो मंदिरों के कारण पैदा होती हैं जैसे दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु, तीर्थ पर्यटन, मंदिर प्रबंधन, प्रसाद, फूल-माला, होटल, परिवहन और अन्य सेवाएँ। भारत में मंदिर सिर्फ पूजा के स्थान नहीं रहे बल्कि हजारों सालों से आर्थिक गतिविधियों के बड़े केंद्र भी रहे हैं। पुराने समय में जब अर्थव्यवस्था स्थानीय स्तर पर चलती थी, तब मंदिर आसपास के लोगों को रोजगार और व्यापार के अवसर देते थे। तीर्थयात्रा के कारण दुकानदारों, कारीगरों, पुजारियों, गाइडों और अन्य काम करने वालों को काम मिलता था। वाराणसी, मदुरै, पुष्कर और उज्जैन जैसे शहर इसके उदाहरण हैं। ये शहर किसी बड़े उद्योग के लिए नहीं बल्कि अपने प्रसिद्ध मंदिरों और तीर्थ स्थलों के लिए जाने जाते हैं। मंदिरों के आसपास बनी यह अर्थव्यवस्था सदियों से इन शहरों को सहारा देती रही है। स्टेटबैंक ऑफ इंडिया और अन्य आर्थिक विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार, भारत की टेंपल इकोनॉमी हर साल लगभग 3.02 लाख करोड़ से 6 लाख करोड़ तक का योगदान देती है। यह देश के कुल जीडीपी का करीब 2.3 प्रतिशत से 3 प्रतिशत हिस्सा है। इसी संदर्भ में राम मंदिर अयोध्या की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहा है और शहर को दुनिया के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शामिल कर रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 5 फरवरी 2020 से 5 फरवरी 2025 के बीच लगभग 400 करोड़ कर के रूप में सरकार को दिए। इसमें 270 करोड़ जीएसटी और 130 करोड़ अन्य करों के रूप में शामिल हैं। राम मंदिर के निर्माण पर सरकार को लगभग 400 करोड़ जीएसटी मिलने का अनुमान बताय जा रहा है अयोध्या में श्री राम मंदिर के उद्घाटन के बाद आर्थिक गतिविधियों का प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। धार्मिक पर्यटन ने यहाँ परिवहन, होटल, भोजन, व्यापार और दान अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति दी है। आईआईएम लखनऊ की रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी से दिसंबर तक 2024 के बीच अयोध्या में 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुँचे। इसी प्रकार 2025 में जनवरी से जून तक 23 करोड़ 81 लाख 64 करोड़ 744 भारतीय और 49993 विदेशी श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए आये। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक शोध के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में सिर्फ अयोध्या से जुड़ी तीर्थ यात्रा और उससे संबंधित गतिविधियों से 4 लाख करोड़ से ज्यादा का आर्थिक उत्पादन (इकोनॉमिक आउटपुट) होने का अनुमान बताया था। यानी राम मंदिर के कारण यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं से पर्यटक, होटल, दुकानों और परिवहन जैसी सेवाओं से बहुत बड़ा आर्थिक फायदा हो रहा है। जानकारों के अनुसार मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही दिन में 3 करोड़ से ज्यादा की भेंट चढ़ाई गई थी। यह दिखाता है कि श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ यहाँ बड़ी आर्थिक गतिविधि भी जुड़ी हुई है। वित्त वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार को अतिरिक्त 25,000 करोड़ तक का कर राजस्व मिलने की संभावना जताई गई है। इसमें जीएसटी और अन्य तरह के टैक्स शामिल हैं। यानी मंदिर और पर्यटन से राज्य की आमदनी भी बढ़ रही है, जिसका इस्तेमाल विकास कार्यों में किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, राम मंदिर निर्माण की परियोजना से सीधे 1,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जो राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। यानी मंदिर के प्रबंधन, सुरक्षा, प्रशासन और अन्य कार्यों में हजार से ज्यादा लोग नियमित रूप से काम कर रहे हैं। निर्माण के दौरान स्थिति और भी व्यापक थी।

यह गठबंधन...

कमलेश पांडेय

हेक्सागन गठबंधन के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक मायने

इजरायल द्वारा प्रस्तावित हेक्सागन गठबंधन के अंतर्राष्ट्रीय मायने बेहद दिलचस्प हैं। यह अतिवादी ताकतों के विरूद्ध शक्ति संतुलन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित यह गठबंधन एक ऐसा कूटनीतिक समूह है जिसमें भारत, अरब देश, अफ्रीकी राष्ट्र, ग्रीस, साइप्रस और अन्य एशियाई देश शामिल होंगे। समझा जाता है कि भले ही इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है लेकिन इसके उन वैश्विक कूटनीतिक निहितार्थों से भी इंकार नहीं किया जा सकता, जो अमेरिका, चीन और रूस जैसे तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के कान खड़े करने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए कि इस गठबंधन में विश्व की चौथी बड़ी शक्ति भारत बेहद मजबूत और नेतृत्वकारी स्थिति में रहेगा। लिहाजा इसका स्वरूप तय हो जाने के बाद अरब और खाड़ी के इस्लामिक देशों पर वर्चस्व की जो होड़ वैश्विक महाशक्तियों के बीच मची रहती है, उस पर एक हद तक अल्पविराम भी लगेगा। दरअसल, हेक्सागन गठबंधन छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है जो पश्चिम एशिया में नई वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगी, क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप से भी इसे पूरी ताकत मिलेगी। यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) से भी जुड़ी हुई है। वहीं इस बेमिसाल गठबंधन में भारत को प्रमुख भूमिका दी गई है, जिसमें AI, क्वांटम कंप्यूटिंग और सुरक्षा सहयोग पर फोकस होगा। जहां तक भारत की भागीदारी की बात है तो भारत अभी आधिकारिक रूप से इसमें शामिल नहीं हुआ है, लेकिन पीएम मोदी की 25-26 फरवरी 2026 को होने वाली इजरायल यात्रा के दौरान इस पर चर्चा और समझौते होने की संभावना बलवती है। समझा जाता है कि यह 2017 के बाद पीएम मोदी की यह दूसरी बड़ी यात्रा होगी, जो पारस्परिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। वहीं नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथ विरोधी नई धुरी बताया है। उल्लेखनीय है कि हेक्सागन गठबंधन अभी औपचारिक रूप से अस्तित्व में नहीं आया है लेकिन इसमें शामिल होने वाले प्रमुख देशों या समूहों में इजरायल, भारत, ग्रीस, साइप्रस, कुछ अरब राष्ट्र और अफ्रीकी देश शामिल बताए गए हैं। इस गठबंधन का मुख्य देश इजरायल है जो गठबंधन का प्रस्तावक और केंद्र बिंदु है। जबकि भारत इसके प्रमुख भागीदार के रूप में देखा जा रहा है, खासकर सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए। वहीं ग्रीस और साइप्रस इसके भूमध्यसागरीय रणनीतिक साझेदार देश हैं। जबकि अरब के कतिपय देश विकास और शांति समर्थक राष्ट्र के तौर पर रहेंगे। वहीं अफ्रीकी देश क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इसमें शामिल होंगे जबकि अन्य एशियाई देश इसमें भारत और उस जैसे सहयोगी की भूमिका में शामिल किए जाएंगे। जहां तक हेक्सागन गठबंधन के उद्देश्य की बात है तो यह गठबंधन कट्टरपंथी शिया-सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुटता का प्रयास है, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे से जुड़ाव हो सकता है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश कुमार पासी

बंगाल में राष्ट्रपति शासन की आहट

ममता बनर्जी की एसआईआर रोकने की सारी कोशिशें खत्म होती दिखाई दे रही हैं। सवाल यह है कि 12 राज्यों में शांतिपूर्ण तरीके से एसआईआर होने के बावजूद बंगाल में इसे रोकने की कोशिश क्यों की गई है। विपक्षी दलों ने एसआईआर का विरोध किया है लेकिन ममता बनर्जी इस विरोध में सारी हदें पार कर गई हैं। सवाल यह है कि वो आखिर इस प्रक्रिया से इतनी डरी हुई क्यों है। वास्तव में उनका डर अपनी जगह सही है क्योंकि इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद ममता का सारा चुनावी गणित गड़बड़ा जाने वाला है। एसआईआर का विरोध उनकी रणनीति नहीं है बल्कि मजबूरी है। बिहार में जब एसआईआर चल रहा था, तब भी ममता बनर्जी उग्रता के साथ उसका विरोध कर रही थी। जब उनके ही राज्य में एसआईआर चल रहा है तो उनका विरोध सारी हदें पार कर गया है। उन्होंने इस प्रक्रिया को रोकने के लिए अपने सारे घोड़े खोल दिये हैं लेकिन अब उनकी यह कोशिश उल्टा असर दिखा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और उसे केंद्र सरकार की कठपुतली बता रही हैं। टीएमसी एसआईआर के खिलाफ कोलकाता हाई कोर्ट गयी थी लेकिन उसे वहां से निराशा हाथ लगी। इसके बाद ममता सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुँच गयी । सुप्रीम कोर्ट पर दबाव डालने के लिए ममता बनर्जी खुद वकील के चोगे में वहां इस केस की पैरवी करने पहुँच गयी। उन्हें लगा कि इससे सुप्रीम कोर्ट प्रभावित हो जाएगा लेकिन अब लगता है कि माननीय न्यायाधीशो ने उनकी चाल को समझ लिया है। ममता लगातार मोदी सरकार पर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश का आरोप लगाती रही हैं लेकिन अब इसका रास्ता माननीय अदालत ने खोल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह तय किया हुआ है कि वो किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन नहीं लगाएंगे, क्योंकि वो इसे संघीय व्यवस्था के खिलाफ मानते हैं। वो खुद मुख्यमंत्री रह चुके हैं, इसलिए वो किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के खिलाफ हैं। वैसे देखा जाए तो उनकी यह नीति सही नहीं है क्योंकि संविधान निर्माताओं ने इसकी व्यवस्था सोच समझ कर की है। जब किसी राज्य की संवैधानिक व्यवस्था बिगड़ जाए तो राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। बंगाल में बहुत पहले यह काम हो जाना चाहिए था लेकिन अब ये काम सुप्रीम कोर्ट करने जा रहा है। सवाल यह है कि हालात यहां तक कैसे आ गए हैं।

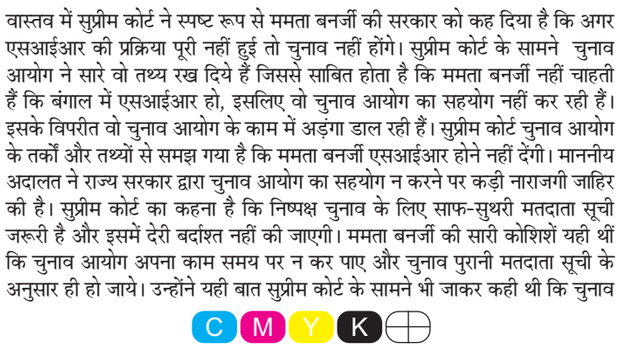

वास्तव में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से ममता बनर्जी की सरकार को कह दिया है कि अगर एसआईआर की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो चुनाव नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनाव आयोग ने सारे वो तथ्य रख दिये हैं जिससे साबित होता है कि ममता बनर्जी नहीं चाहती हैं कि बंगाल में एसआईआर हो, इसलिए वो चुनाव आयोग का सहयोग नहीं कर रही हैं। इसके विपरीत वो चुनाव आयोग के काम में अड़ंगा डाल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के तर्कों और तथ्यों से समझ गया है कि ममता बनर्जी एसआईआर होने नहीं देंगी। माननीय अदालत ने राज्य सरकार द्वारा चुनाव आयोग का सहयोग न करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि निष्पक्ष चुनाव के लिए साफ-सुथरी मतदाता सूची जरूरी है और इसमें देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ममता बनर्जी की सारी कोशिशें यही थीं कि चुनाव आयोग अपना काम समय पर न कर पाए और चुनाव पुरानी मतदाता सूची के अनुसार ही हो जाये। उन्होंने यही बात सुप्रीम कोर्ट के सामने भी जाकर कही थी कि चुनाव आयोग समय पर एसआईआर की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाएगा, इसलिए उसे पुरानी मतदाता सूची पर चुनाव करवाने का आदेश दिया जाए। देखा जाए तो ममता बनर्जी ने ऐसे हालात पैदा किये जिससे चुनाव आयोग अपना काम न कर पाये और उसके बाद उसे पुरानी मतदाता सूची पर चुनाव करवाने के लिए मजबूर होना पड़े। चुनाव आयोग पहले ही 58 लाख मृतक, अनुपस्थित और स्थांतरित मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटा चुका है। बंगाल की समस्या यह है कि वहां डेढ़ करोड़ मतदाता संदिग्ध पाए गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा तार्किक विसंगतियों की एक सूची बनाई गई है जिसमें से अभी भी 45 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मामलों का निपटारा किया जाना है। इस काम के लिए चुनाव आयोग ने ममता सरकार से ग्रुप ए अधिकारियों की सूची मांगी थी, जिन्हें इन मामलों के निपटारे का काम सौंपा जा सके, लेकिन ममता सरकार ने आयोग को इंतजार करने के लिए कह दिया था। इसके बाद इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में चुनाव आयोग ने राज्य सरकार द्वारा ग्रुप ए अधिकारी उपलब्ध न करवाने की बात कही। माननीय अदालत ने बंगाल सरकार को आदेश दिया था कि वो आयोग को एसआईआर में मदद के लिए पर्याप्त संख्या में वांछित अधिकारी उपलब्ध करवाए। अदालत के आदेश के बावजूद ममता सरकार ने आयोग को ये अधिकारी नहीं दिये और बाद में ग्रुप बी अधिकारियों की एक सूची भेज दी। आयोग का कहना है कि तार्किक विसंगतियों का मामला जटिल है, इसके लिए ग्रुप ए अधिकारी ही सही हैं, ग्रुप बी अधिकारियों से ये काम नहीं करवाया जा सकता। शुक्रवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार के रवैये और चुनाव आयोग से सहयोग न करने पर माननीय अदालत ने निराशा जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को मामले की संवेदनशीलता को समझने की सलाह दी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा फैसला सुनाया जो आज से पहले कभी नहीं सुनाया था। इस फैसले से साबित हो गया है कि माननीय अदालत को सिर्फ राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है बल्कि राज्य की व्यवस्था से भी विश्वास खत्म हो गया है। माननीय अदालत को राज्य के अधिकारियों पर राज्य सरकार का दबाव नजर आ गया है और उसे लगता है कि ये लोग सही तरीके से काम नहीं कर सकते। माननीय अदालत ने चुनाव आयोग का काम करवाने के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करने का आदेश जारी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्यन्यायधीश को निर्देश दिया है कि चुनाव आयोग की तार्किक विसंगतियों के मामले का निपटारा करने के लिए वो जिला न्यायाधीश, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और सेवानिवृत्त न्यायाधीश उपलब्ध करवाएं। ये न्यायिक अधिकारी सभी जिलों के तार्किक विसंगतियों के मामलों का निपटारा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच विश्वास की कमी है, ऐसे में न्यायिक अधिकारियों और न्यायालय को शामिल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। देखा जाए तो जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस पंचोली की पीठ ने ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है जो भविष्य में अन्य सरकारों को एक चेतावनी के रूप में उपस्थित रहेगा। चुनाव आयोग के पास अपना स्टाफ नहीं होता . वो अपने सभी कामों के लिए संबंधित सरकारों से ही स्टाफ लेता है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पंड्या-दुबे बेअसर रहे, कुलदीप मैच विनर, उन्हें खिलाएं

भारतीय गेंदबाजों में मार्शल जैसा खौफ नहीं : शोएब अखतर

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में भारत साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन से हार गया। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय गेंदबाजी की आलोचना की। शोएब ने कुलदीप को प्लेइंग-11 में रखने का सुझाव दिया है। मैल्कम मार्शल वेस्टइंडीज के गेंदबाज थे, जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे। 1970 और 80 के दशक में जब वेस्टइंडीज क्रिकेट की दुनिया पर राज करता था, तब मार्शल उनके सबसे खतरनाक हथियार थे। वे खतरनाक बाउंसर मारने के लिए जाने जाते थे। कई

दिग्गज बल्लेबाजों की नाक और जबड़े उनकी गेंदों से टूटे थे। 22 फरवरी रविवार को टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका ने तीसरे सुपर-8 मैच में 76 रन के अंतर से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए।

सुंदर और वरुण की बॉलिंग का अंदाजा पहले से लगाया जा सकता है

अख्तर का मानना है कि वॉशिंगटन सुंदर और वरुण चक्रवर्ती एक ही तरह की स्किल्स वाले गेंदबाज हैं। इससे भारतीय आक्रमण का अंदाजा बल्लेबाज आसानी से लगा लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब अटैक में विविधता नहीं होती तो दुनिया की टॉप टीमें आसानी से भारतीय गेंदबाजों को टारगेट कर लेती हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में यही देखने को मिला जहां अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनर्स को जमने नहीं दिया।

वरुण चक्रवर्ती की बॉलिंग स्पीड पर उठाए सवाल

अख्तर ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'वरुण अपनी सामान्य लय में नहीं दिखे। लेकिन इस मैच में वे 94 की स्पीड पर आ गए थे। जब वे अटैक पर आए तो डेवाल्ड ब्रेविस ने उन्हें सिक्स जड़ दिया। इससे साफ है कि गेंदबाज दबाव में थे।'

अख्तर- बोले- भारतीय बॉलिंग यूनिट की कमियां उजागर हुईं

अख्तर का मानना है कि इस हार ने भारतीय बॉलिंग यूनिट की कमियों को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत बैटिंग लाइन-अप के सामने भारतीय गेंदबाज पूरी तरह बेअसर नजर आए। खासकर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की गेंदबाजी को उन्होंने बिना धार वाली बताया। दोनों ऑलराउंडर्स ने मिलकर 6 ओवरों में 77 रन खर्च किए और केवल एक विकेट हासिल किया।

कुलदीप यादव हैं 'मिसिंग लिंक', उन्हें खिलाना जरूरी

भारतीय गेंदबाजी में सुधार के लिए अख्तर ने एक बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को प्लेइंग-इलेवन में शामिल करने की वकालत की। अख्तर ने कहा, 'इस टीम में कुलदीप यादव की कमी खल रही है। वे ऐसे गेंदबाज हैं जो हवा में बल्लेबाजों को धोखा दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर विकेट निकाल सकते हैं। वे एक मैच विनर खिलाड़ी हैं और उन्हें बाहर रखना समझ से परे है।'

> **अख्तर ने कहा, 'हार्दिक और शिवम दुबे 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। वे कोई मैल्कम मार्शल नहीं हैं, जो साउथ अफ्रीका जैसी टीम को डरा सकें। अगर आप डेथ ओवर्स में उनसे गेंदबाजी कराएंगे तो अफ्रीकी बल्लेबाजों का ऐसा पलटवार होना तय था।'**

टी-20 वर्ल्डकप मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड बना

पॉवेल ने सिकंदर रजा का माथा चूमा, हेटमायर ने 108 मीटर का सिक्स लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के चौथे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज ने सोमवार को जिम्बाब्वे पर 107 रन की जीत दर्ज की। मुंबई के वनखड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन बनाए। 255 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे 17.4 ओवर में 147 रन पर ऑलआउट हो गई। 19 बॉल पर फिफ्टी लगाने वाले शिमरोन हेटमायर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इस मैच में 10 रिकॉर्ड और रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। इस मैच में कुल 31 छक्के लगे। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 30 सिक्स का था। जो 2014 में आयरलैंड और नीदरलैंड के मैच में बना था। यह मैच सिलहट में खेला गया था। जिम्बाब्वे के ब्रैडली इवांस और रिचर्ड नगारवा ने इस मैच में आखिरी विकेट के लिए 19 बॉल पर 44 रन की साझेदारी की। यह टी20 वर्ल्ड कप के

इतिहास में 10वें विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। पिछला रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और शेरफन रदरफोर्ड के नाम था। इन दोनों ने 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 37 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट 5 रन बनाकर आउट हुए। वे इस टूर्नामेंट में पहली बार आउट हुए हैं। वे पिछले 4 मैचों में नाबाद रहे थे। उन्होंने आउट होने से पहले इस एडीशन में नाबाद रहते हुए 180 रन बनाए। वे बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यह रिकॉर्ड नीदरलैंड के टॉम कूपर के नाम था, जिन्होंने 2014 में बिना आउट हुए 111 रन बनाए थे।

फास्ट न्यूज़

वाईआरएफ ने नेटफ्लिक्स का ₹215 करोड़ का ऑफर ठुकराया

नई दिल्ली। YRF की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा की प्रोडक्शन कंपनी यशराज फिल्म्स ने नेटफ्लिक्स का 215 करोड़ का स्ट्रीमिंग ऑफर रिजेक्ट कर दिया है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह फैसला 2026 में भारत में फिल्म की थिएटर में रिलीज को ध्यान में रखकर लिया गया। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड रोल में हैं।

पाक आतंकी संगठन चैटजीपीटी, क्लाउड-जैमिनी के खिलाफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ने अपने लगभग 5 हजार मदरसों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स के खिलाफ फतवा जारी किया है। यहां पर लगभग 12 लाख छात्र पढ़ते हैं। दरअसल, ये एआई टूल्स जैसे चैटजीपीटी, क्लाउड, जैमिनी और ग्रोक इस्लाम धर्म से जुड़े सवालों के उदारवादी जवाब दे रहे थे। जबकि इन मदरसों में मौलवियों द्वारा धर्म की कट्टरपंथी व्याख्या छात्रों को बताई जाती है, जो कुरान अथवा हदीस के अनुरूप नहीं होती है। जबकि एआई टूल्स अपने डेटाबेस के इनपुट से सही व्याख्या कर छात्रों को बता रहा है। जैश और लश्कर ने अपने नए आदेश में छात्रों को कहा है कि वे मौलवियों से क्लास में धर्म से जुड़े सवाल व्यक्तिगत रूप से पूछें।

बैंकों की 'मिस-सेलिंग' पर निर्मला सीतारमण सख्त

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने बैंकों द्वारा इंश्योरेंस जैसे फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स की गलत तरीके से बिक्री (मिसेल-सेलिंग) पर नाराजगी जताई और उन्हें अपने मुख्य कामकाज पर ध्यान देने की सलाह दी। RBI के सेंट्रल बोर्ड को संबोधित करने के बाद सीतारमण ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि बैंकों को अपने मुख्य बिजनेस पर फोकस करना चाहिए... मेरी हमेशा से यह शिकायत रही है।

ब्रेन हेमरेज के बाद राइटर सलीम खान एडमिट

सोमवार देर शाम लीलावती अस्पताल के बाहर स्पॉट हुए सलमान खान

मुंबई। सलमान खान के पिता और स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान ब्रेन हेमरेज के बाद लीलावती अस्पताल में एडमिट हैं। मंगलवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती हुए एक हफ्ता हो गया। सलमान अपने पिता का हाल जानने अस्पताल रेगुलरली से पहुंच रहे हैं। सोमवार देर शाम भी सलमान अस्पताल के बाहर स्पॉट किए गए। बता दें कि परिवार के अलावा सलीम खान का हाल जानने कई सेलेब्स पहुंचे है। 21 फरवरी को देर शाम शाहरुख खान अस्पताल पहुंचे। इससे पहले रणवीर सिंह, फराह खान, आमिर खान और जावेद अख्तर भी आए थे। 18 फरवरी को लीलावती अस्पताल के डॉक्टर ने सलीम खान की हेल्थ अपडेट दी थी। हालांकि, उसके बाद परिवार की ओर से मेडिकल अपडेट सार्वजनिक न करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद उनकी हेल्थ को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आई। वहीं, 21 फरवरी को सलमान खान के करीबी संतोष शुक्ला ने बताया कि सलीम खान का वेंटिलेटर हटा दिया गया है। बातचीत में संतोष शुक्ला ने कहा, मैं उनके पास नहीं गया, बस दूर से ही देख पाया।

40 साल बाद कमल हासन के साथ फिर काम करने को लेकर एक्साइटेड बिग बी

अमिताभ बच्चन ने शुरू की 'कल्कि 2' की शूटिंग

मुंबई। अमिताभ बच्चन ने रविवार को अपनी अपकमिंग फिल्म 'कल्कि 2' के सेट से बिहाइंड द सीन (BTS) तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह हैदराबाद में शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने करीब 40 साल बाद कमल हासन के साथ दोबारा काम करने को लेकर उत्साह जताया। दोनों आखिरी बार 1985 की फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ नजर आए थे। बता दें कि फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन और कमल हासन दोनों कलाकारों ने अभिनय तो किया था, लेकिन वे एक भी सीन में एक साथ नजर नहीं आए। दरअसल, अमिताभ बच्चन इन दिनों हैदराबाद में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग पर सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं, जिसमें उनके चेहरे पर प्रोस्थेटिक मेकअप दिख रहा है।

अमिताभ बच्चन ने फैंस से मांगी माफी

फिल्म की शूटिंग के चलते अमिताभ बच्चन इस रविवार अपने फैंस से नहीं मिल पाए। इसे लेकर उन्होंने लिखा, "उन्हें बताया कि इस रविवार मैं नहीं आ पाऊंगा, क्योंकि हैदराबाद में शूटिंग है... लेकिन फिर भी वे पुष्टि करने आ गए... माफी चाहता हूं, काम पहले, बाकी सब बाद में।" उन्होंने आगे लिखा कि 'कल्कि 2' की शुरुआत हो चुकी है और वह रविवार को मिलने वाले प्यार और स्नेह को संजोकर रखेंगे।

कल्कि 2898 एडी के लिए अमिताभ को फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

फिल्म कल्कि 2898 AD 27 जून 2024 को रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए दुनियाभर में ₹1,000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। वहीं, हाल ही में फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ (तेलुगु) 2026 में फिल्म ने दो अवॉर्ड्स जीते, बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल) का अवॉर्ड अमिताभ बच्चन ने जीता। बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन का अवॉर्ड नितिन जियानी चौधरी को मिला।

> **बता दें कि फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन और कमल हासन दोनों कलाकारों ने अभिनय तो किया था, लेकिन वे एक भी सीन में एक साथ नजर नहीं आए। दरअसल, अमिताभ बच्चन इन दिनों हैदराबाद में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग पर सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं, जिसमें उनके चेहरे पर प्रोस्थेटिक मेकअप दिख रहा है।**

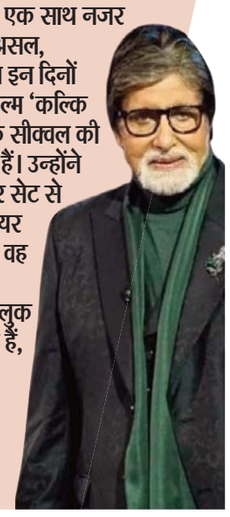

समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा- गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद

रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था। अमेरिकी US कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (CPB) ने एक बयान में कहा- 1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए टैरिफ

की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके कार्गो सिस्टम से हटा दिए जाएंगे। पेन व्हार्टन बजट मॉडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डॉलर (15.75 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रॉयटर्स के मुताबिक, IEEPA के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डॉलर (4,500 करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं। अब 15% टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10% टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है।

ट्रम्प बोले- सुप्रीम कोर्ट ने मुझे पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए

राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद सोमवार को कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा, 'मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा।' उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया।

वसूला गया टैरिफ वापस होगा या नहीं इसकी जानकारी नहीं

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तीन दिन से ज्यादा समय बाद लागू किया जा रहा है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि इन तीन दिनों में टैरिफ क्यों वसूले जाते रहे। यह भी साफ नहीं किया गया है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया है, उन्हें वह वापस मिलेगा या नहीं। यह आदेश सिर्फ IEEPA कानून के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होगा। जबकि नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर 'सेक्शन 232' के तहत और अनफेयर ट्रेड केस के 'सेक्शन 301' के तहत लगाए गए टैरिफ जारी रहेंगे और उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह लाइसेंस जैसे तरीकों का इस्तेमाल करके देशों के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं।

> **ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा, 'कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है।' ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15% टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15% टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10% अमेरिकी बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी।**

अमेजन ने एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला

बेंगलुरु में 11 लाख स्क्वेयर फीट में 12 मंजिला कैंपस

बेंगलुरु, एजेंसी

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने 23 फरवरी को बेंगलुरु के बाहरी इलाके कट्टिगेनाहल्ली में एशिया का अपना दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला है। 11 लाख स्क्वेयर फीट में फैला यह 12 मंजिला कैंपस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। ऑफिस में ई-कॉमर्स, ऑपरेशंस, पेमेंट्स, टेक्नोलॉजी और सेलर सर्विसेज जैसे विभागों के 7,000 से ज्यादा कर्मचारी एक साथ काम कर सकेंगे। अमेजन का यह नया कैंपस करीब 5 एकड़ जमीन पर बना है। अमेजन के ग्लोबल अफेयर्स और लीगल ऑफिसर डेविड जापोल्स्की ने बताया कि भारत में टेक्नोलॉजी अपनाने की रफ्तार और AI को लेकर जो उत्साह है, वैसा दुनिया के किसी और देश में नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेजन अब तक भारत में अपने सभी बिजनेस में 40 बिलियन डॉलर (करीब 3.60 लाख करोड़ रुपए) का निवेश कर चुकी है। कंपनी ने 2030

तक 35 बिलियन डॉलर (करीब 3.20 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त निवेश करने का वादा किया है। डेविड जापोल्स्की ने बताया कि भारत के तेज रफ्तार वाले शहरों के लिए डिजाइन किया गया 'अमेजन नाउ' (क्विक कॉमर्स आउटलेट) काफी सफल रहा है। अब कंपनी भारत के इस मॉडल को मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में भी ले जा रही है।

बढ़त : सोना ₹5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम ₹1.60 लाख का हुआ

चांदी दो दिन में ₹16 हजार महंगी, कीमत ₹2.67 लाख/किलो

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 24 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। कल इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। कल भी चांदी 13 हजार रुपए

महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है।

2025 में सोना ₹57 हजार महंगा हुआ

- 2025 में सोना 57 हजार (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया।
- चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

1.80 लाख तक जा सकता है सोना

इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ (ETF) में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी।

सेंसेक्स 1100 अंक गिरकर 82,150 पर आया

मुंबई। सेंसेक्स में आज यानी मंगलवार 23 फरवरी को गिरावट है। ये 1100 अंक (1.40%) गिरकर 82,150 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 300 अंक (1.25%) की गिरावट है। ये 25,400 के स्तर पर है। आज के कारोबार में आईटी और ऑटो शेयरों में बिकवाली है। आईटी शेयरों में आई गिरावट की वजह से ही बाजार दबाव में है। वहीं आईटी शेयरों में गिरावट की वजह है एंथ्रोपिक के 'क्लॉड कोड' टूल का नया अपडेट। इसे एक ऐसे टूल के रूप में देखा जा रहा है जो 'कोबोल' प्रोग्राम्स को तेजी से और सस्ते में मॉर्डनाइज करने की ताकत रखता है। कोबोल एक बहुत पुरानी प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से बैंकों, सरकारी संस्थाओं और बड़े बिजनेस के डेटा मैनेजमेंट और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के लिए किया जाता है। दुनिया भर के बैंकिंग सिस्टम और एटीएम आज भी काफी हद तक इसी भाषा पर निर्भर हैं। विदेशी निवेशकों (FII) ने 23 फरवरी को 3,483 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 1,292 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

बफे के भरोसेमंद अजीत जैन ने गुरुग्राम में फ्लैट खरीदा

डीएलएफ द केमेलियास में ₹85 करोड़ की डील, जिम, क्लब हाउस जैसी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के दिग्गज निवेशक वारेन बफे के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल अजीत जैन ने गुरुग्राम में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। बर्कशायर हैथवे के वाइस चेयरमैन जैन ने गोल्फ कोर्स रोड स्थित 'DLF द केमेलियास' में करीब 85 करोड़ रुपए में यह डील फाइनल की है। 7,400 स्क्वेयर फीट का यह फ्लैट अल्ट्रा-लग्जरी कैटेगरी का है। इसमें स्विमिंग पूल, वर्ल्ड-क्लास जिम, स्पा, सौना और गोल्फ कोर्स जैसी सुविधाएं हैं। जैन ज्यादातर समय भारत से बाहर ही रहते हैं, लेकिन इस सौदे को अंतिम रूप देने के लिए वे हाल ही में दिल्ली आए थे। डील से जुड़े लोगों का कहना है कि DLF के अल्ट्रा-लग्जरी पोर्टफोलियो में

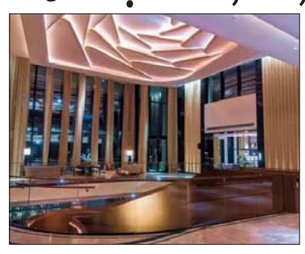

NRI की हिस्सेदारी 25% से ज्यादा हो चुकी है। अजीत जैन अमेरिका के सबसे प्रभावशाली भारतीय बिजनेस लीडर्स में से एक हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जो लोग साल में कुछ महीने भारत में बिताते हैं, उनके लिए इस तरह के प्रोजेक्ट्स में मिलने वाली वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं सबसे बड़ा आकर्षण होती हैं। रियल एस्टेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि कोरोना के बाद से अमीर खरीदारों (UHNIs) की पसंद बदली है। अब वे अलग-थलग बंगलों के बजाय हाई-राइज लग्जरी सोसायटी को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि यहां सुरक्षा के साथ-साथ कैंपस के अंदर ही जिम, क्लब हाउस और अन्य सुविधाएं मिल जाती हैं, जिनका रखरखाव आसान होता है। गुरुग्राम में प्रॉपर्टी की कीमतें अब ग्लोबल लेवल पर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्फ कोर्स रोड पर प्रति स्क्वेयर फीट की कीमतें 1.25 लाख के आंकड़े को पार कर गई हैं, जो मुंबई के सबसे महंगे इलाकों के बराबर है। पहली बार गुरुग्राम ने कीमतों के मामले में लुटियंस दिल्ली को भी पीछे छोड़ दिया है। अब यहां के रेट्स लंदन और दुबई जैसे शहरों को टक्कर दे रहे हैं।

पिता को मारकर शव के टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

वजह- पापा डॉक्टर बनाना चाहते, बेटे को लखनऊ में होटल खोलना था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को आरी से काटकर टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए। सिर को काटकर कार में रखा और घरसे 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर

नहीं मिला। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह NEET क्वालीफाई करके MBBS करे। वह इस बात पर अड़ा था कि MBBS के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा। इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। वारदात आशियाना कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-L की है। मृतक मानवेंद्र सिंह पैथोलॉजी लैब के अलावा शराब कारोबार से भी जुड़े थे।

बहन को धमकाया-जान से मार डालूंगा

आरोपी बेटे के मुताबिक, 20 फरवरी को सुबह 4:30 बजे उसने लाइसेंसी राइफल से पिता को गोली मारी। उस वक्त बहन भी मौजूद थी। बहन ने चिल्लाने की कोशिश की तो उसे धमकाया। कहा- अगर तुमने किसी से घटना के बारे में बताया तो जान से मार डालूंगा। इसके बाद उसके घर से बाहर नहीं निकलने दिया। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया। पिता की लाश को तीसरे फ्लोर से ग्राउंड फ्लोर पर लाकर खाली कमरे में रखा। फिर बाजार से आरी खरीदकर लाया और शव के कई टुकड़े किए। सिर और कुछ टुकड़ों को कार में डालकर सदरौना गांव में फेंक दिया। बाकी हिस्सों को पॉलीथिन में पैक कर नीले ड्रम में भर दिया।

वारदात के 3 दिन बाद थाने पहुंचा, हाव-भाव से पुलिस को शक हुआ

पुलिस के मुताबिक, वारदात के तीन दिन बाद सोमवार को आरोपी बेटा आशियाना थाना पहुंचा और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता 20 फरवरी की सुबह 6 बजे दिल्ली जाने की बात कहकर निकले थे और 21 फरवरी की दोपहर तक लौटने की बात कही थी, लेकिन अब तक वापस नहीं आए हैं।

पुलिस को नीले ड्रम में पन्नी के अंदर मानवेंद्र सिंह का धड़ पैक मिला।

> पिता की हत्या के बाद अक्षत ने राइफल गद्दे के नीचे छिपा दी थी। पुलिस उसे लेकर घर पहुंची। शव को कब्जे में लिया गया तो केवल आधा शरीर मिला, बाकी अंग गायब थे। पूछताछ में उसने बताया कि शरीर के टुकड़े कर काकोरी इलाके के सदरौना में फेंक दिए हैं। करीब आठ घंटे तक पुलिस घर में मौजूद रहकर जांच करती रही। देर रात शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

आरोपी बीकॉम का छात्र, मां की मौत हो चुकी है

मानवेंद्र सिंह मूल रूप से जालौन जिले के रहने वाले थे। उनके पिता सुरेंद्र पाल सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस से रिटायर्ड हैं। कई साल पहले मानवेंद्र आशियाना सेक्टर-L में मकान बनवाकर रहने लगे थे। नौ साल पहले पत्नी का निधन हो गया था। तब से वह बेटे अक्षत और बेटी कृति (17) की खुद ही देखभाल करते थे। आरोपी अक्षत बीकॉम का छात्र है। कृति एपीएस में 11वीं की छात्रा है।

लखनऊ हाईकोर्ट के गेट पर वकीलों का प्रदर्शन

वकीलों की आएदिन हो रही हत्याओं पर आक्रोश

- हत्यारों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाने की मांग।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही अधिवक्ताओं की हत्याओं के विरोध में आज मंगलवार को हाई कोर्ट लखनऊ के गेट नंबर 6 पर अधिवक्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया और सरकार को आगाह किया गया कि यदि कठोरतम कार्रवाई नहीं की गई तो अधिवक्ता पूरे प्रदेश में प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा। आंदोलन में मुख्य रूप से उपस्थित अंकित कुमार यादव,विशाल सिंह, अखिलेशा नंद पांडे, संदीप कुमार यादव, जी ओ.पी. तिवारी, उमेश प्रताप यादव, अंशुमान पांडे, अमित सिंह भदोरिया, विजय बहादुर यादव, हिमांशु पाठक, प्रकाश वर्मा, जयविंद यादव,पिंकी वर्मा, विष्णु

देव यादव, कुशाग्र सिंह, सौरभ राय, अंकुर यादव, विनीत चौरसिया, राजीव गुप्ता,सुशील यादव, अंकित सिंह, रामकृपाल यादव, कुलदीप दुबे, सद्दाम खान, पंकज राय, सऊद खान, युवराज सिंह, अनीशा द्विवेदी, अनिल मिश्रा,आनंद गिरि, देवकीनंदन पांडे, गणेश नाथ मिश्रा, श्याम बहादुर सिंह, ऋषि पांडे, मोहित बजाज, अजीत सिंह चौहान, शुभांगी द्विवेदी, संजय मिश्रा, नीरज त्रिपाठी,आदि अधिवक्तागढ़ उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

राष्ट्र प्रेरणा स्थल तक बढ़ेगी लखनऊ मेट्रो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने चारबाग से बसंतकुंज स्थित दुबग्गा चौराहे तक प्रस्तावित लखनऊ मेट्रो के दूसरे चरण को आगे बढ़ाकर राष्ट्र प्रेरणा स्थल तक ले जाने का प्रस्ताव भेजा है। प्राधिकरण ने इस संबंध में मेट्रो प्रबंधन को औपचारिक पत्राचार किया है। तर्क दिया गया है कि प्रेरणा स्थल पर लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मेट्रो कनेक्टिविटी जरूरी है।

सुशांत गोल्फ सिटी में आधी रात बवाल

मोहनलालगंज। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर देर रात दो पक्षों में बवाल हो गया। कुछ दबंगों ने हॉर्न बजाने पर स्कॉर्पियो पर तोड़फोड़ की। उस पर सवार युवक पर क्रेटा कार चढ़ा दी। सिर पर रॉड और कुर्सी-टेबल से पीट दिया। घायल पीड़ित युवक ICU में भर्ती है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशियाना एलडीए कॉलोनी सेक्टर-ई निवासी पीड़ित नमन भटियानी ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार त्यागी (निवासी सनराइज ओमेक्स R-1) के साथ रात करीब 2:30 बजे शहीद पथ स्थित कालिका रेस्टोरेंट पर खाना खाने गए थे। वहीं पर कुछ युवकों ने केवल हॉर्न बजाने पर उसे मारा-पीटा। आरोप है कि उनकी गाड़ी का हॉर्न बजाने पर वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

26 फरवरी को लखनऊ नहीं आएंगी फरक्का समेत 4 ट्रेनें

लखनऊ। 26 फरवरी को लखनऊ आने-जाने वाले रेल यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल वाराणसी से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच व्यासनगर-काशी रेलखंड पर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली के कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लेगा। यह ब्लॉक सुबह 9:30 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा।

रांची से दिल्ली जा रहा विमान चतरा में क्रैश, सात लोगों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/रांची। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार रात एक एयर एम्बुलेंस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद वाराणसी एयर ट्रैफिक कंट्रोल में भी अलर्ट की स्थिति बन गई थी, क्योंकि विमान का मार्ग बदलने और संपर्क टूटने की सूचना से स्थिति गंभीर हो गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयर एम्बुलेंस विमान झारखंड की राजधानी रांची से नई दिल्ली के लिए उड़ान भर रहा था। विमान में एक गंभीर मरीज, डॉक्टर और चालक दल सहित कुल सात लोग सवार थे। उड़ान के दौरान खराब मौसम का सामना करने पर पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से मार्ग बदलने की अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के कुछ समय बाद ही विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया, जिससे अधिकारियों की चिंता बढ़ गई। बाद में पता चला कि विमान चतरा जिले में दुर्घट-नाग्रस्त हो गया है। नागर विमानन महानि-देशालय (DGCA) द्वारा जारी बयान में बताया गया कि दिल्ली स्थित रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बीचक्राफ्ट C90 एयरक्राफ्ट (VT-AJV) ने रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से शाम 7:11 बजे उड़ान भरी थी। यह विमान एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत एक गंभीर मरीज को इलाज के लिए दिल्ली ले जा रहा था। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने शवों को कब्जे में लेकर पहचान और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में खराब मौसम को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। हालांकि, नागर विमानन महानिदेशालय और अन्य संबंधित एजेंसियों ने दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में तीसरे दिन भी बवाल

नमाज के विरोध में हनुमान चालीसा पढ़ने गए छात्र हिरासत में, गंगाजल छिड़का

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आज लगातार तीसरे दिन भी बवाल जारी है। कैंपस में मुस्लिम छात्रों के नमाज पढ़ने के विरोध में आज दूसरे गुट के छात्र हनुमान चालीसा पढ़ने पहुंचे थे। उनके इकट्ठा होते ही पुलिस भी पहुंच गई। छात्रों को पकड़-पकड़कर गाड़ी में ठूंस दिया। चालीसा पाठ करने गए छात्रों का कहना है कि जब यहां नमाज पढ़ी गई, इफ्तार पार्टी की गई तो कोई कार्रवाई नहीं की गई। आज हनुमान चालीसा पर कार्रवाई क्यों की जा रही है? जिन्होंने यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग पर कुदाल चलाई, उन पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। हम जैसे उनका, उसी तरह अपने धर्म का भी सम्मान करते हैं। कई छात्रों के हिरासत में लिए जाने के बाद कुछ और छात्र लाल बारादरी बिल्डिंग पहुंचे। वहां बिल्डिंग पर गंगाजल छिड़का। बाद में बिल्डिंग के सामने राष्ट्रीय शिक्षार्थी दल के छात्रों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर लाल बारादरी बिल्डिंग है, जिसके अंदर मस्जिद होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि,

- छात्र नमाज के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ करने पहुंचे थे। पुलिस ने सबको उठा लिया है।
- पुलिस ने एक-एक कर कई छात्रों को गाड़ी में बिठा लिया। कुछ छात्र बस के ऊपर भी बैठ गए।
- कई छात्रों के हिरासत में लिया जाने के बाद राष्ट्रीय शिक्षार्थी दल से जुड़े छात्रों ने लाल बारादरी के बगल में बापू प्रतिमा के पास हनुमान चालीसा पाठ किया।

कई छात्रों का यह भी कहना है कि उसके अंदर एक छोटा मंदिर भी है। बिल्डिंग काफी जर्जर हो गई है, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन उसका रेनोवेशन करा रहा है। रविवार को जैसे ही खोदाई शुरू हुई, बड़ी संख्या में NSUI के स्टूडेंट मौके पर पहुंच गए। छात्रों ने निर्माण कार्य का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कहा- लाल बारादरी ASI द्वारा संरक्षित स्थल है, इसलिए बिना उसकी अनुमति के कोई कंस्ट्रक्शन नहीं किया जा सकता। रविवार को जिस जगह मुस्लिम छात्रों ने नमाज पढ़ी और इफ्तार किया, सोमवार को उसी जगह हिंदू छात्रों ने जय भवानी, जय श्रीराम के जयकारे लगाए। नमाज पढ़ने वाले छात्र उस स्थल पर निर्माण रुकवाने पहुंचे थे तो दूसरे गुट ने पहुंचकर नारेबाजी करते हुए उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

एसीपी ने नमाज करने वाले छात्रों को तलब किया

न्यायालय सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) कार्यालय की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के उन 13 छात्रों को नोटिस जारी किया गया है जिन्होंने कैंपस में नमाज अदा की थी। लाल बारादरी में नमाज अदा करने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के 13 छात्रों को नोटिस जारी किए गए हैं। हसनगंज पुलिस स्टेशन की चालान रिपोर्ट के आधार पर जारी आदेश में कहा गया है कि इन कार्रवाइयों से विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई और भविष्य में सार्वजनिक शांतिभंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

चारबाग की राजा मंडी में 6 कुंतल खोया पकड़ा

एफएसडीए टीम ने 4 नमूने भरे, होली पर मिलावटी खोया खपाने की तैयारी

- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने खोया की जांच की।
- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने खोये का नमूना भरा।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चारबाग स्थित राजा खोया मंडी में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) की विशेष टीम ने औचक निरीक्षण कर करीब 6 कुंतल संदिग्ध खोया पकड़ा। टीम ने मौके से चार नमूने जांच के लिए एकत्र किए। कारोबारियों को मानक के अनुरूप ही खोया बेचने की हिदायत दी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने राजा खोया मंडी, चारबाग में गाड़ी संख्या UP30AT5446 में रखे लगभग 2 कुंतल खोया और गाड़ी संख्या UP32ZN9858 में रखे लगभग 4 कुंतल खोया का निरीक्षण किया। औचक जांच के दौरान टीम ने खोये का भौतिक परीक्षण किया, जिसमें यह सामग्री प्रथम दृष्टया मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई और संदिग्ध प्रतीत हुई। संदेह के आधार पर टीम ने कुल चार नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वे केवल गुणवत्तापूर्ण और मानक के अनुरूप खोया ही मंडी में लाएं और बिक्री करें।

आगरा के दीवानी कोर्ट में बम की धमकी

आगरा के दीवानी परिसर में बम की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस और दीवानी परिसर में तैनात एसएसएफ एक्टिव हो गए हैं। पूरे दीवानी परिसर को खाली कराया जा रहा है। बम निरोधक दस्ता भी बुलाया गया है। बताया गया है कि दीवानी परिसर की ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल आया है। सूचना पर बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड की टीमें पहुंच गई हैं। दीवानी परिसर के गेटों को बंद कर दिया गया है। सभी वादकारियों को बाहर किया जा रहा है। टीमें न्यायालय और अधिवक्ताओं के चैंबरों की सघन जांच कर रही हैं। जिला शासकीय अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता ने कहा कि यह भय बनाने की कोशिश है। एहतियात के तौर पर चेकिंग की जा रही है। इसीलिए लोगों को कोर्ट परिसर से बाहर किया जा रहा है। इसके अलावा जिला जज ने सभी बार एसोसिएशन और अधिवक्ताओं से अपील की है कि कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर दीवानी प्रशासन को सूचित करें। जिला शासकीय अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता ने कहा कि यह भय बनाने की कोशिश है।

हादसा : इनमें जुड़वां बेटियों समेत 5 बच्चे, कपड़ा कारोबारी पिता नमाज पढ़ने गया था

परिवार के 6 लोग एक साथ जिंदा जले

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में कपड़ा कारोबारी के परिवार के 6 लोग जिंदा जल गए। इनमें जुड़वां बेटियों समेत 5 बच्चे हैं। कारोबारी सोमवार की देर शाम नमाज पढ़ने गया था, तभी दो मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। उस वक्त घर में 2 महिलाएं और 5 बच्चे थे। सभी लपटों में फंस गए। लोगों ने धुआं उठते देखा तो पुलिस और फायर विभाग को सूचना दी। मकान तक जाने वाली गली संकरी है। इसलिए फायर ब्रिगेड टीम पड़ोसी की छत से मकान तक पहुंची। 30 मिनट तक पूरा परिवार लपटों के बीच फंसा रहा। टीम ने सामने वाले मकान से सीढ़ी लगाकर लोगों को बाहर निकाला। कारोबारी की मां और पड़ोसी गंभीर रूप से झुलसे हैं। दोनों का इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में मातम छा गया है। अस्पताल में मोहल्ले के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। पुलिस की शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग

लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस में लीकेज के चलते आग लगी है। घटना लिसाड़ीगेट थानाक्षेत्र के सुराही वाली मस्जिद स्थित गली नंबर 1 किदवई नगर की है। सोमवार देर शाम कपड़ा कारोबारी इकबाल उर्फ आसिम अपने भाई फारुख के साथ नमाज पढ़ने मस्जिद में गए थे। घर में इकबाल की पत्नी रुखसार (30 साल), मां अमीर बानो (55 साल) और 5 बच्चे महविश (12), हम्माद (4 साल), अद्दस (3), नाबिया (6 माह), इनायत (6 माह) थीं।

छतों के रास्ते फायर फाइटर्स की टीम अंदर पहुंची

संकरी गलियों वाला इलाका है, इसलिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को अंदर आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। छतों के रास्ते फायर फाइटर्स की टीम अंदर पहुंची। पता चला कि मकान में आग लगी है। इसमें कपड़ों का भी कोई गोदाम था। मकान में अंदर 7 लोग फंसे हुए थे। सभी को फायर फाइटर्स की टीम ने आग से बाहर निकाला है।

पिता का रो-रोकर बुरा हाल

मकान मालिक इकबाल मस्जिद में थे, जब उनके मकान में आग लगी। शोर मचने पर वे भी मौके पर पहुंचे। वे फूट-फूटकर रोने लगे। लोगों ने उन्हें ढांढस बंधाया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इकबाल कपड़े तैयार कराते हैं। ऑर्डर पर और दूसरे शहरों में लगने वाली एग्जिबिशन में उन्हें सेल करते हैं। घर में बड़ी मात्रा में कपड़ा मौजूद था।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया- लिसाड़ी गेट किदवई नगर में इकबाल अंसारी का मकान था। यहां पर आग लगने की सूचना पुलिस को मिली थी। थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

पृष्ठ 01 का शेष...

एआई समिट ...

चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलैस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे। दिल्ली पुलिसः चिब का अन्य आरोपियों से आमना-सामना कराना और बड़ी साजिश की जांच के लिए कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। कुछ आरोपी फिलहाल जम्मू, अमेठी और हिमाचल प्रदेश में मौजूद हैं। चिब के वकीलः प्रदर्शनकारियों से 7 से 8 टी-शर्ट बरामद हुई हैं। टी-शर्ट कहीं भी छपवाई जा सकती हैं, पुलिस पूरी फैक्ट्री की जांच की बात कर रही है, केवल इस आधार पर कस्टोडियल इंटरोगेशन की जरूरत नहीं है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से भी 3 कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। 4 आरोपी घटना वाले दिन ही गिरफ्तार किए गए थे। चिब को मिलाकर मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं। कांग्रेस ने X पोस्ट में लिखा- देश के संविधान ने हर नागरिक को विरोध का अधिकार दिया है। नरेंद्र मोदी इस अधिकार को ही छीन लेना चाहते हैं। हम इन हथकंडों से डरने वाले नहीं हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय महासचिव शेष नारायण ओझा ने AI इम्पैक्ट समिट विवाद पर कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को देश विरोधी नहीं कहा जा सकता। यह वही तरीका है, जैसा अंग्रेजों के शासन में होता था। उन्होंने कहा कि हमारे कुछ नेताओं ने AI समिट में शांतिपूर्ण विरोध किया था, लेकिन केंद्र सरकार और भाजपा इसे 'एंटी-इंडिया' बताने का प्रचार कर रही है। क्या सरकार के खिलाफ हर आवाज को 'एंटी-इंडिया' बताकर असली मुद्दों से बचा जा सकता है? उन्होंने आरोप लगाया कि यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान कई राज्यों में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जबकि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान नेताओं को हिरासत में लिया गया। ओझा ने कहा कि सरकार हर विरोध की आवाज को दबाना चाहती है। सरकार का विरोध करना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है, यह देश विरोधी नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष ...

इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य थे। इनमें 6-7 सांसद, सीनियरलीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल थे।

यूपी को 24 घंटे ...

भारी निवेश प्रस्ताव और वैश्विक कंपनियों की रुचि को देखते हुए सरकार इसे उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिवर्तन की दिशा में बड़ा कदम मान रही है। योगी ने कहा- किसी भी इंडस्ट्री के आने के लिए जो उसका बेस चाहिए, वह MSME उत्तर प्रदेश सरकार के पास पहले से मौजूद है। 96 लाख MSME यूनिट अलग-अलग सेक्टर में यूपी के अंदर पहले से कार्यरत हैं, जो 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार और नौकरी की संभावनाओं के साथ आगे बढ़ाने का काम कर रही है। यूपी पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। रत और सिंगापुर के बीच हमारा फोकस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, स्मार्ट नेशन, सेमीकंडक्टर और ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर पर रहा। इन सभी क्षेत्रों में सिंगापुर का भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) सबसे अधिक है। सिंगापुर भारत के अंदर सबसे ज्यादा निवेश करता है। इन परिस्थितियों में भारत के अंदर यूपी खुद को ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। क्योंकि उत्तर प्रदेश आज के दौर में केवल लैंड ऑफ पोटेंशियल नहीं है, बल्कि लैंड ऑफ परफॉर्मेंस के रूप में आप सभी के सामने स्वयं को प्रस्तुत करने में सफल हुआ है। उत्तर प्रदेश में 9 सालों में GDP बढ़कर आज 13 लाख करोड़ से बढ़कर 36 लाख करोड़ होने जा रहा है। दुनिया के अंदर कहीं भी ऐसा देखने को नहीं मिला होगा कि 9 साल में कोई राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को तीन गुना बढ़ाने में सफल हुआ हो। प्रति व्यक्ति आय (पर कैपिटल इनकम) भी 3 गुना बढ़ी है। ऐसा देखने को नहीं मिला होगा। भारत की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत का योगदान आज उत्तर प्रदेश दे रहा है। इसलिए भारत में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। प्रति व्यक्ति आय (पर कैपिटल इनकम) भी 3 गुना बढ़ी है। ऐसा देखने को नहीं मिला होगा। भारत की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत का योगदान आज उत्तर प्रदेश दे रहा है। इसलिए भारत में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। प्रति व्यक्ति आय (पर कैपिटल इनकम) भी 3 गुना बढ़ी है। ऐसा देखने को नहीं मिला होगा। इस दिशा में बहुत सारे प्रयास किए हैं। डी-रेगुलेशन रैंकिंग में भारत के अंदर प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश के पास है। डी-क्रिमिनला-इजेशन के माध्यम से हमने राज्य के 13 अधिनियमों में से 99 प्रतिशत आपराधिक प्रावधानों को खत्म किया है। पिछले 5 सालों से उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) राज्य के रूप में भारत की अर्थव्यवस्था के एक ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रति व्यक्ति आय (पर कैपिटल इनकम) भी 3 गुना बढ़ी है। ऐसा देखने को नहीं मिला होगा। भारत की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत का योगदान आज उत्तर प्रदेश दे रहा है। इसलिए भारत में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। प्रति व्यक्ति आय (पर कैपिटल इनकम) भी 3 गुना बढ़ी है। ऐसा देखने को नहीं मिला होगा।

अयोध्या का वीर सपूत देवेश सिंह शहीद

सेना वाहन हादसे में घायल होने के बाद एम्स में तोड़ा दम

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या जनपद के बाबा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम हंसराजपुर पूरे विशेन निवासी 27 वर्षीय जवान देवेश सिंह शहीद हो गए। वह 19 फरवरी को सेना के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद घायल हुए थे और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। यह दुर्घटना तब हुई जब सेना का एक वाहन लगभग 400 फीट गहरी खाई में गिर गया था। इस हादसे में मौके पर ही 10 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 11 अन्य घायल हुए थे। घायल जवानों को तुरंत एयरलिफ्ट कर उधमपुर सैन्य अस्पताल ले जाया गया था। गंभीर रूप से घायल जवानों को बाद में बेहतर इलाज के लिए दिल्ली एम्स रेफर किया गया, जहां देवेश सिंह ने दम तोड़ दिया। शहीद देवेश सिंह का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचने पर पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

किया गया। सेना के जवानों ने शहीद को अंतिम सलामी दी और राष्ट्रीय ध्वज उनके परिजनों को सौंपा सरकार ने शहीद देवेश सिंह के परिवार के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और गांव को 'शहीद ग्राम' का दर्जा देने की घोषणा की है। देवेश सिंह पिछले आठ वर्षों से भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अप्रैल माह में उनकी शादी तय होनी थी। वह तीन बहनों के इकलौते भाई थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676